उत्तराखण्ड राजकोषीय उत्तरदायित्व और बजट प्रबन्धन अधिनियम,2005 की धारा 6(2) के अधीन अपेक्षित विवरण।

अधिनियम की धारा 6(2) में निम्नवत् व्यवस्था हैः–

''वित्त विभाग का प्रभारी मंत्री प्रत्येक अर्द्ध वर्ष पर बजट से सम्बंधित प्राप्तियों और व्यय के रूख, बजट लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए किये जाने वाले उपचारी उपायों का पुनर्विलोकन करेगा और ऐसे पुनर्विलोकनों के परिणाम को विधान सभा के समक्ष रखेगा।

पुनर्विलोकन रिपोर्ट मेंः–

(क) इस अधिनियम के अधीन राज्य सरकार पर डाली गयी बाध्यताओं की पूर्ति करने में किसी विचलन या सम्भावित विचलन को स्पष्ट किया जायगाः–

(ख) स्पष्ट किया जायेगा कि क्या ऐसा विचलन पर्याप्त है और वास्तविक या संभावी बजट सम्बंधी परिणामों में सम्बंधित है, और कितना विचलन सामान्य आर्थिक पर्यावरण और राज्य सरकार द्वारा नीति परिवर्तनों के कारण है; और

(ग) उन उपचारी उपायों को स्पष्ट किया जायगा जिन्हें राज्य सरकार करने के लिए प्रस्तावित करे।

वर्ष 2009–10 के महालेखाकार से प्राप्त आँकड़ों के आधार पर वर्ष 2009–10 की तथा वर्ष 2010–2011 के पुनरीक्षित अनुमानों के आधार पर वर्ष 2010–11 की पुनर्विलोकन रिपोर्ट निम्नवत प्रस्तुत की जा रही है।

(1) वर्ष 2009–10 के सम्बंध में पुनर्विलोकन रिपोर्टः–

वर्ष 2009–10 के लिये महालेखाकार से प्राप्त वास्तविक आँकड़ों के अनुसार स्थिति निम्नवत् हैः–

तालिका–1

(धनराशि करोड़ ₹में)

मद	बजट अनुमान 2009–10	वास्तविक आँकड़े 2009–10	बजट अनुमानों के सापेक्ष प्रतिशत के रूप में
1	2	3	4
(अ) गैर उधार प्राप्तियाँ			
1. राज्य का स्वयं का कर राजस्व	3528.90	3559.11	100.86
2. करेतर राजस्व	1428.69	631.86	44.23
3. केन्द्रीय करों में राज्यांश	1545.87	1549.94	100.26
4. केन्द्र सरकार से अनुदान	4444.21	3745.22	84.27
5. कुल राजस्व प्राप्तियाँ	10947.67	9486.13	86.65
6. उधार एवं अग्रिम की वसूली	407.14	554.83	136.27
7. कुल गैर उधार प्राप्तियाँ	11354.81	10040.96	88.43
(ब) व्यय			
8. राजस्व व्यय	11161.11	10657.47	95.49
9. पूँजीगत परिव्यय	1956.93	2136.73	109.19
10. उधार एवं अग्रिम	307.77	30.06	9.77
11. कुल व्यय	13425.81	12824.26	95.52
(स) राजस्व बचत (+)/घाटा (–)	-213.44	-1171.34	548.79
(द) राजकोषीय घाटा	-2071.00	-2783.30	134.39

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट है कि वर्ष 2009–10 में राजस्व घाटा में परिवर्तित हुआ है तथा वर्ष 2009–10 के आय–व्ययक अनुमानों में अनुमानित राजस्व घाटा ₹213.44 करोड रूपये के सापेक्ष वास्तविक आँकड़ों में ₹1171.34 करोड़ हुआ है। अर्थात राजस्व घाटे में वृद्धि हुई है। राज्य सरकार वर्ष के अन्त में राजस्व घाटे में रही है। राजस्व बचत में यह कमी मुख्यतः आर्थिक मंदी के कारण स्वयं के कर तथा करेत्तर राजस्व तथा केन्द्र सरकार से प्राप्त होने वाले अनुदान में गिरावट तथा छठें वेतन आयोग की संस्तुतियों के क्रम में राज्य कर्मचारियों को वेतन तथा पेंशन के एरियर के भुगतान के कारण है। राजकोषीय घाटे में भी बजट अनुमान के सापेक्ष बढ़ोत्तरी हुई है।

(2) वर्ष 2010–11 के सम्बंध में पुनर्विलोकन रिपोर्टः–

वर्ष 2010–11 के पुनरीक्षित अनुमानों के अनुसार सरकार की राजकोषीय स्थिति निम्नवत् हैः–

तालिका–2

(धनराशि करोड़ ₹ में)

मद	बजट अनुमान 2010–11	पुनरीक्षित अनुमान 2010–11	बजट अनुमानों के सापेक्ष प्रतिशत के रूप में
1	2	3	4
(अ) गैर उधार प्राप्तियाँ			
1. राज्य का स्वयं का कर राजस्व	4024.30	4326.37	107.51
2. करेतर राजस्व	1115.00	1115.00	100.00
3. केन्द्रीय करों में राज्याशं	2344.60	2460.00	104.92
4. केन्द्र सरकार से अनुदान	4674.89	5439.22	116.35
5. कुल राजस्व प्राप्तियाँ	12158.79	13340.59	109.72
6. उधार एवं अग्रिम की वूसली	246.38	246.38	100.00
7. कुल गैर उधार प्राप्तियाँ	12405.17	13586.97	109.53
(ब) व्यय			
8. राजस्व व्यय	11996.69	12772.02	106.46
9. पूंजीगत परिव्यय	2005.09	2200.34	109.74
10. उधार एवं अग्रिम	150.54	642.75	426.96
11. कुल व्यय	14152.32	15615.11	110.34
(स) राजस्व बचत	162.10	568.57	350.75
(द) राजकोषीय घाटा	-1747.15	-2028.14	116.08

(क) तालिका–2 से स्पष्ट है कि वर्ष 2010–11 के पुनरीक्षित अनुमानों में सरकार की कुल गैर उधार प्राप्तियाँ बजट अनुमान में ली गयी कुल गैर उधार प्राप्तियों से लगभग ₹1181.80 करोड़ अर्थात 9.53 प्रतिशत की अधिक प्राप्ति होने का अनुमान है।

(ख) पुनरीक्षित अनुमानों में कुल गैर उधार व्यय बजट अनुमान का 110.34 प्रतिशत रहने का अनुमान है जिसमें बजट अनुमान के सापेक्ष राजस्व व्यय के 106.46 प्रतिशत, पूंजीगत परिव्यय के 109.74 प्रतिशत एवं उधार एवं अग्रिम के 426.96 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

(ग) वर्ष 2010–11 के बजट अनुमानों में ₹162.11 करोड़ रूपये का राजस्व अधिशेष अनुमानित था, जिसके सापेक्ष पुनरीक्षित अनुमानों के अनुसार राजस्व अधिशेष–568.57 करोड़ रूपये तथा बजट अनुमानों में ₹1747.15 करोड़ रूपय के राजकोषीय घाटे के सापेक्ष राजकोषीय घाटा –2028.14 करोड़ रूपये रहने का अनुमान है। इस प्रकार बजट अनुमानों के सापेक्ष राजस्व अधिशेष तथा राजकोषीय घाटे में बढ़ोत्तरी होने का अनुमान है। पुनरीक्षित अनुमानों में राजकोषीय घाटा सकल राज्य घरेलू उत्पाद का 2.77 प्रतिशत है।